श्री गुरुचरणकमलेभ्यो नमः

श्रावणमास साधनाएं - २०२६

साधक या साधिकायें, पूर्व दिशा की ओर बैठे और सामने गुरु चित्र लगाकर पंचोपचार पूजन कर साधना आरंभ करे |

१) गृह एवं मनः शांति हेतु :

विधान: श्रावणमास में यदि नित्य शिवलिंग(कोई भी) पर ११, २१ या १०८ (जितने भी संभव हो) बिल्वपत्र चढाकर नित्य ५ माला रुद्राक्ष माला से मंत्र जप करने से घर में शांति बनी रहती है।

मंत्र: || ॐ नमः शिवाय ||

सामग्री: शिवलिंग (कोई भी) , रुद्राक्ष माला

जप संख्या: ५ माला

२) शिव कृपा हेतु :

विधान: उपर दिये साधना के साथ हर सोमवार को पारद शिवलिंग की पंचोपचार पूजन (दूध, बिल्वपत्र आदि से) कर ११ माला रुद्राक्ष माला से जप करने से शिवकृपा प्राप्त होती है और जो भी विशेष इच्छा कोई हो, जो न्याय पूर्ण हो, पूर्ण होती है।

मंत्र: || ॐ शं शंभवाय परम शिवाय शं ॐ नमः ||

सामग्री: पारद शिवलिंग, रुद्राक्ष माला

जप संख्या: ११ माला

३) कुवारिं कन्या के विवाह एवं गृहस्थ सुख हेतु :

विधान: श्रावण मास में हर मंगलवार एवं शुक्रवार को शिव पूजन कर, रुद्राक्ष माला से या स्फटिक माला से निम्न मंत्र जप करे।

मंत्र: || ह्रीं ॐ नमः शिवाय ह्रीं || ५ माला

मंत्र: || ॐ सौभाग्य गौरि महादेवायै नमः || ३ माला

सामग्री: रुद्राक्ष माला से या स्फटिक माला

जप संख्या: ५ माला , ३ माला

४) साधना में सफलता हेतु :

विधान: पारद या स्फटिक शिवलिंग, या नर्मदा बाण का पूर्ण पूजन (दूध, बिल्वपत्र, अबिर, गुलाल आदि) कर नीचे दिये मंत्र का जप रुद्राक्ष माला से ७ माला हर सोमवार एवं गुरुवार को करने से विशेष सफलता प्राप्त होती है।

मंत्र : || ॐ ह्रीं ऐं हर गौर्यै रुद्राय अनंग रूपाय सिद्धि प्रदाय सिद्धेश्वराय नमः ||

सामग्री: पारद या स्फटिक शिवलिंग या नर्मदा बाण, रुद्राक्ष माला

जप संख्या : ७ माला

****